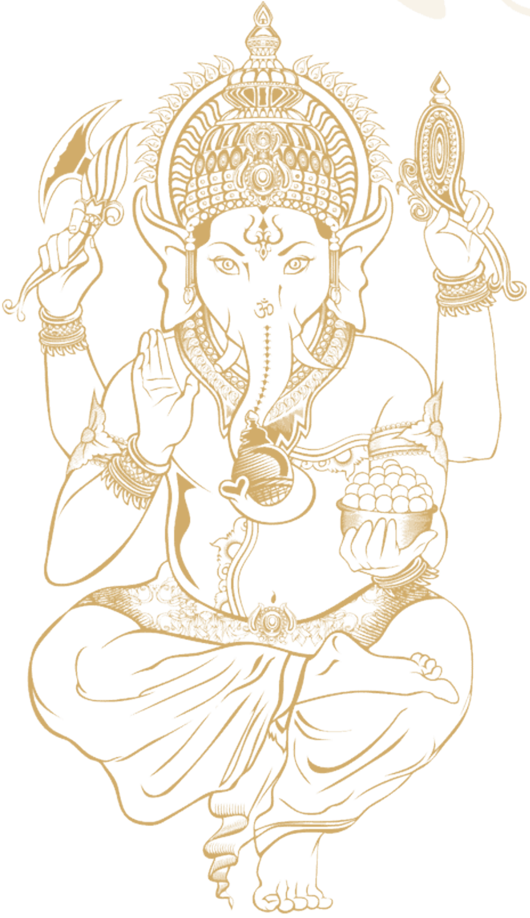

Mohit Kumar

03 Dec 2004

04:30 PM

Samastipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121277206

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 03/12/2004**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	**: 16:30:00 घंटे**
इष्ट	: 25:29:06 घटी
स्थान	**: Samastipur**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 25:52:00 उत्तर
रेखांश	: 85:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:13:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 16:43:08 घंटे
वेलान्तर	: 00:10:07 घंटे
साम्पातिक काल	: 21:33:35 घंटे
सूर्योदय	: 06:18:21 घंटे
सूर्यास्त	: 16:55:14 घंटे
दिनमान	: 10:36:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 17:42:05 वृश्चिक
लग्न के अंश	: 12:16:03 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**: सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**: मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: वैधृति
करण	: विष्टि
गण	: राक्षस
योनि	: मूषक
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: वनचर
वर्ग	: मूषक
युँजा	: मध्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	12:16:03	375:48:54	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	17:42:05	01:00:51	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	00:01:39	12:03:02	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
मंगल			तुला	20:58:06	00:40:29	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध	व		धनु	02:03:24	00:31:46	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			कन्या	19:42:18	00:09:27	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	19:34:07	01:14:31	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मूलत्रिकोण
शनि	व		कर्क	02:50:17	00:02:42	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	07:19:56	00:02:55	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	07:19:56	00:02:55	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	09:08:58	00:01:06	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	19:07:46	00:01:18	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:44:02	00:02:14	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मक	27:04:54	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:24

लग्न-चलित

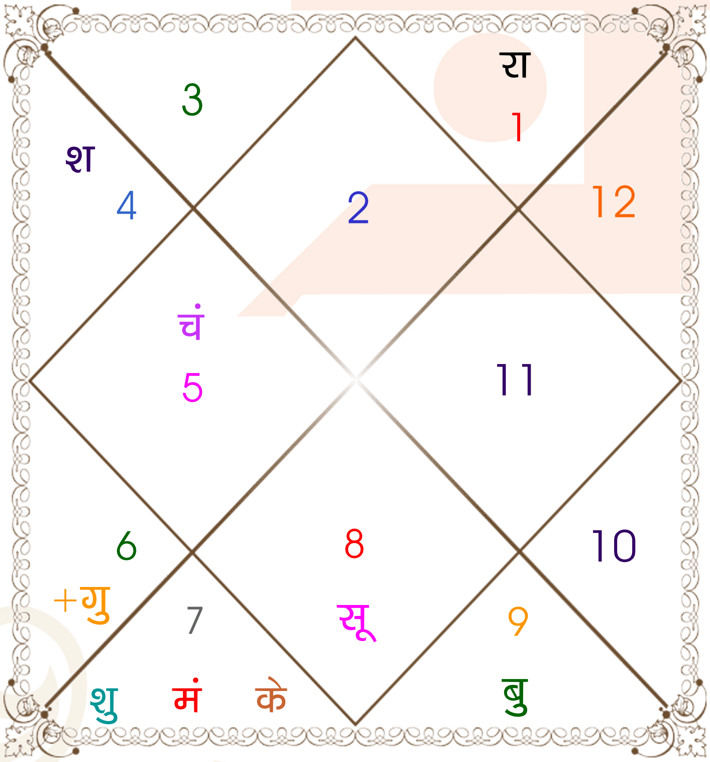

चन्द्र कुंडली

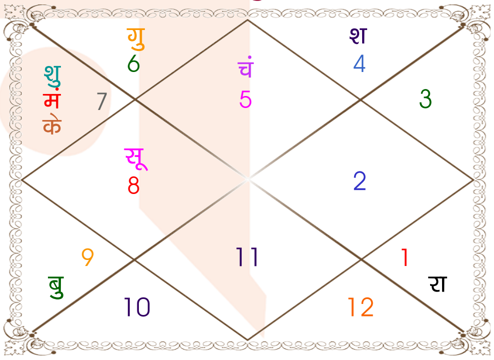

नवमांश कुंडली

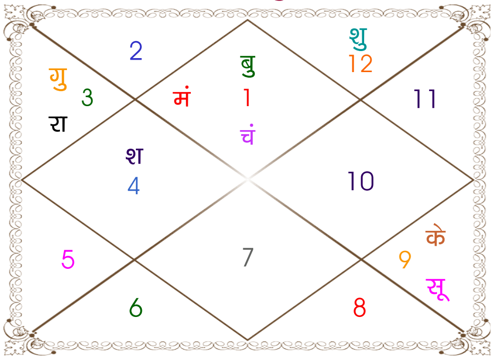

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 11 मास 25 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/12/2004		29/11/2011		29/11/2031		28/11/2037		29/11/2047	
29/11/2011		29/11/2031		28/11/2037		29/11/2047		28/11/2054	
केतु	26/04/2005	शुक्र	30/03/2015	सूर्य	17/03/2032	चंद्र	29/09/2038	मंगल	26/04/2048
शुक्र	26/06/2006	सूर्य	29/03/2016	चंद्र	16/09/2032	मंगल	30/04/2039	राहु	14/05/2049
सूर्य	01/11/2006	चंद्र	28/11/2017	मंगल	22/01/2033	राहु	28/10/2040	गुरु	20/04/2050
चंद्र	02/06/2007	मंगल	28/01/2019	राहु	16/12/2033	गुरु	27/02/2042	शनि	30/05/2051
मंगल	29/10/2007	राहु	28/01/2022	गुरु	05/10/2034	शनि	29/09/2043	बुध	26/05/2052
राहु	16/11/2008	गुरु	28/09/2024	शनि	17/09/2035	बुध	27/02/2045	केतु	22/10/2052
गुरु	23/10/2009	शनि	29/11/2027	बुध	23/07/2036	केतु	28/09/2045	शुक्र	23/12/2053
शनि	01/12/2010	बुध	29/09/2030	केतु	28/11/2036	शुक्र	30/05/2047	सूर्य	29/04/2054
बुध	29/11/2011	केतु	29/11/2031	शुक्र	28/11/2037	सूर्य	29/11/2047	चंद्र	28/11/2054

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
28/11/2054		28/11/2072		28/11/2088		30/11/2107		29/11/2124	
28/11/2072		28/11/2088		30/11/2107		29/11/2124		00/00/0000	
राहु	11/08/2057	गुरु	16/01/2075	शनि	02/12/2091	बुध	27/04/2110	केतु	04/12/2124
गुरु	04/01/2060	शनि	29/07/2077	बुध	11/08/2094	केतु	25/04/2111		00/00/0000
शनि	10/11/2062	बुध	04/11/2079	केतु	20/09/2095	शुक्र	22/02/2114		00/00/0000
बुध	30/05/2065	केतु	10/10/2080	शुक्र	19/11/2098	सूर्य	30/12/2114		00/00/0000
केतु	17/06/2066	शुक्र	11/06/2083	सूर्य	01/11/2099	चंद्र	30/05/2116		00/00/0000
शुक्र	17/06/2069	सूर्य	29/03/2084	चंद्र	03/06/2101	मंगल	27/05/2117		00/00/0000
सूर्य	12/05/2070	चंद्र	29/07/2085	मंगल	12/07/2102	राहु	15/12/2119		00/00/0000
चंद्र	10/11/2071	मंगल	05/07/2086	राहु	18/05/2105	गुरु	22/03/2122		00/00/0000
मंगल	28/11/2072	राहु	28/11/2088	गुरु	30/11/2107	शनि	29/11/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 11 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के प्रथम चरण में होना आपके उज्जवल भविष्य का द्य ोतक है। जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ मेष राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण उदित था। परिणामस्वरूप आपका भविष्य पूर्णता युक्त एवं अन्य ग्रहों के सुप्रभाव से राजयोग का निर्माता है। अस्तु आपका जीवन स्तर बहुत उत्तम रहेगा। आपके जन्म का स्वरूप पूर्णतः आपके अनुकूल प्रतीत होता है। आप अपने जीवन का नेतृत्व कर, सुखद एवं सरलता पूर्वक धन संपत्ति से युक्त तथा आनंददायक पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी राशि का प्रतीक बैल है। जो आपमें ईश्वरीय प्रदत्त सदगुणों की समृद्धता प्रकट करता है। आप मृदुभाषी एवं सत् चित्त युक्त है, तथा आप बिना किसी के सहयोग से नहीं मात्र अपने प्रयास से उन्नति प्राप्त करेंगे। क्योंकि यह गुण आप में विद्यमान है। अन्य की तुलना में आप भक्ति भावना से युक्त हैं, तथा आप में गंभीर विषयों के संपादन का निर्देशन शक्ति परिलक्षित होता है।

बुनियादी तौर पर आप किसी के भी साथ व्यक्तिगत रूप से शांतिपूर्ण प्रेमसंबंध स्थापित करते हैं। आप दूसरों के वाद-विवाद से बच कर अथवा प्रेम संबंध में मध्यस्थता नही चाहते हैं। परंतु यदि कोई किसी भी अवसर पर आपको उत्तेजित करता है, प्रतिक्रिया स्वरूप आप उस पर हिंसात्मक प्रहार करते हैं। आपको पूर्ण रूपेण इस प्रवृत्ति को त्याग कर, अपने आवेग को नियंत्रित रखना चाहिए।

आपकी विस्तृत मित्र या मित्र मंडली के द्वारा उत्कृष्ट धन या भूमि का लाभांश की प्राप्ति सहयोगात्मक भावना से युक्त होकर अंतर आत्मा से सहायता आवश्यक हैं।

आप पूंजी निवेश, कठिन परिश्रम तथा सुनियोजित कार्यक्रम द्वारा अधिक धन संग्रह करेंगे। परंतु आप इस प्रकार के समतल आय से संतुष्ट नही होंगे। क्योंकि वास्तव में आपका संबंध क्षेत्र विस्तृत है। इसलिए आप उच्चशिखर तक धन संपत्ति संग्रह करना चाहते हैं।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि आपमें पूर्ण रूपेण धन लो लुप्तता विद्यमान है। प्रायः आपकी कृपणता पर ही आपका अस्तित्व निर्भर करता हैं क्योंकि आपकी मुट्ठी बंधी हुई अर्थात् हृदय अनुदार है।

शारीरिक रूप से आप मध्यम कद के साथ ही चौड़े कंधे एवं उन्नत मांसल स्वस्थ्य एवं प्रसन्नचित्त मुखाकृति के प्राणी होंगे। आपकी ललाट उन्नत, गर्दन झुकी हुई एवं आंखें चमकीली होगी। आपका पारिवारिक वातावरण अन्यों की द्वारा ईर्ष्यायुक्त रहेगी। आपके पति-पत्नी का स्नेहमय प्रवृत्ति से आपका घरेलू जीवन प्रसन्नता पूर्ण एवं सगे संबंधियों के साथ प्रगाढ़ मैत्रीपूर्ण तथा सुव्यवस्थित संबंध रहेगा। आप अपने (घर) भवन की सजावट अच्छे-अच्छे साज शय्याओं से युक्त तथा शरीर के लिए आरामदायक वस्तुओं से सुसज्जित रखेंगे। वर्त्तमान काल रंग-बिरंगे चित्रों को पंक्तिबद्ध तरीके से बहुत मात्रा में सुव्यवस्थित ढंग से अपने घर में लगाते हैं।

इसके अतिरिक्त आप पूर्णरूपेण स्वस्थ्य शरीर धारण कर, जीवन का उत्तम आनंद प्राप्त करेंगे। आयु वृद्धि के साथ-साथ आपको गले रोग, कफ एवं शीतप्रकोप, पैर के सूजन आदि रोगों की संभावना के प्रति सतर्क रहें।

आपके लिए व्यवसायिक कार्य हेतु जलीय वस्तुओं का व्यवसाय जैसे मोती, मछलीपालन, सिंघाड़े की खेती आइस क्रीम व्यवसाय, प्रॉप्रार्टी डीलरशिप, भवन संबंधी कार्य एवं ऑटोमोबाइल्स तथा पेट्रोल संबंधित कार्य अनुकूल रहेगा।

आपके लिए भाग्यशाली एवं प्रभावशाली अंक 2 एवं 8 अंक है। अंक 7 एवं 9 अंक भी आपके लिए आकर्षक अंक है। परंतु अंक 5 आपके लिए अनुकूल नही रहेगा। अस्तु इस तारीख से सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए रंग (श्वेत) सफेद गुलीबी, एव हरा रंग अनुकूल है। परंतु लाल रंग आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है।